5. 'सुनीता' उपन्यास का नायक न होते हुए भी हरिप्रसन्न उसकी अधिकांश घटनाओं की धुरी है। इस दृष्टि से हरिप्रसन्न का चरित्र-चित्रण कीजिए। (15)

अथवा

'दिव्या' उपन्यास के नामकरण के औचित्य पर विचार कीजिए।

23/5/18 (morning)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4670 **HC**

Unique Paper Code : 12051403

Name of the Paper : Hindi Paper-X (Hindi Upanyas)

Name of the Course : **B.A. (H) Hindi – CBCS**

Semester : IV

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : (7.5×2=15)

(क) हूर भी आ जाय, तो उसकी तरफ आँखे उठाकर न देखेंगे, लेकिन खिदमत और मुहब्बत का जादू उन पर बड़ी आसानी से चल सकता है। यही खौफ है। मैं आपसे सच्चे दिल से कहती हूँ बहन, मेरे लिए इससे बड़ी खुशी की बात नहीं हो सकती कि आप और वह फिर मिल जायँ, आपस का मनमुटाव दूर हो जाय। मैं उस हालत में और भी खुश रहूँगी मैं उनके साथ न गयी, इसका यही सबब था।

अथवा

तुम जानते हो परवश होना मुझे भी नहीं भाया, पर जहाँ वश न चले वहाँ क्या हो! निश्चय, परवशता में सुख नहीं है। किन्तु नितान्त एकाकी, स्वाधीन न होकर कैसे सुख मिल सकता है, यह भी मैं नहीं जानता मुझे ऐसा मालूम होता कि आदमी को समर्पित होना होगा। ताड़ के पेड़ की तरह ऊँचा तन कर अकेले खड़े रह सकने में आदमी की सिद्धि है, यह मैं नहीं मानूँगा।

(ख) "अभी तुमने जीवन सोपान की आरम्भिक सीढ़ी पर पांव रखा है। जीवन दीर्घ और विस्तृत है। पुत्र किसी एक स्त्री के अभाव में जीवन को व्यर्थ समझना केवल कायरता है। यदि दिव्या जीवित होती तो वह भी तुम्हारे लिये प्राप्य होती। जो मृत और बीत गये की चिन्ता में अकर्मण्य होता है, उसे मूर्ख कहते हैं।"

अथवा

"जवानी यो ही अंधी होती है बहूजी, फिर बुढ़ापे में उठी हुई जवानी। महासत्यानाशी! साहब ने जो किया तो आपकी मट्टी-पलीद हुई और अब आप जो कर रही हैं, इस बच्चे की मट्टी-पलीद होगी। चेहरा देखा है बच्चे का? कैसा निकल आया है, जैसे रात-दिन घुलता रहता हो भीतर ही भीतर।"

2. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए: (7.5×2=15)

(क) 'सुनीता' उपन्यास की कथावस्तु।

(ख) 'कर्मभूमि' में नारी-जागृति।

(ग) "आपका बंटी" की भाषा।

(घ) 'दिव्या' में व्यक्त सामन्ती समाज।

3. प्रेमचंद ने सर्वत्र सेवा, त्याग और प्रेम पर बल दिया है। 'कर्मभूमि' उपन्यास के आधार पर इस कथन की विवेचना कीजिए। (15)

अथवा

अमरकांत का चरित्र-चित्रण कीजिए।

4. "'आपका बंटी' उपन्यास में मन्नू भंडारी ने पति-पत्नी के संबंधों की समस्या को उद्घाटित किया है।" इस परिप्रेक्ष्य में 'आपका बंटी' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए। (15)

अथवा

'आपका बंटी' उपन्यास की रचना क्या बाल मनोविज्ञान की गुत्थियाँ सुलझाने के उद्देश्य से ही की गयी हैं? समीक्षा कीजिए।